श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ साआनंद संपन्न

सुधेश जैन, इन्दौर । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के स्थायी ट्रस्टी इंजी. श्री आनंदकुमार जैन द्वारा दिनांक 18 से 26 नवम्बर तक अष्टान्हिका महापर्व के शुभ अवसर पर श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर गुमास्ता नगर में सानंद संपन्न हुआ । परिवारजनों, परिजनों एवं स्थानीय समाज के साथ मिलाकर किया गया महामंडल विधान सभी के हृदय में चिरस्मरणीय बन गया । पं. रतनलालजी शास्त्री के मार्गदर्शन में व विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी श्री अभय भैयाजी 'आदित्य' इन्दौर के निर्देशन में आयोजित उक्त विधान में सभी श्रावकों एवं भक्तों ने सिद्ध भगवान की आराधना करते हुए अपने कर्मों की निर्जरा की ।

प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा, नित्य नियम पूजन, संगीतकार अहमिन्द्र जैन गंजबासौदा की संगीतमय स्वर लहरियों से मंडल विधान की पूजन, शाम को भक्ति, आरती, रात्रि में प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला से आठों दिन जिनधर्म की प्रभावना होती रही । समय समय पर पंडित रतनलालजी शास्त्री, उदासीन आश्रम के अधिष्ठाता बा.ब्र. अनिल भैयाजी, सुनील भैयाजी, विजया दीदी, शशि दीदी आदि ने अपने प्रवचनों के माध्यम से सिद्ध भगवंतों की महिमा का ज्ञान कराया ।

विधान में श्री आनंदकुमार जी के परिवार, परिजनों के साथ स्थानीय समाज के लगभग 101 इन्द्र इन्द्राणियों ने जोड़े सहित भक्ति आराधना की । इस शुभ अवसर पर दिल्ली, अहमदाबाद, सिंगापुर, रायपुर, नागपुर, घसौर, झांसी, मुंगेली, बीना, उज्जैन, नौगांव, ललितपुर, मढ़िया आदि विभिन्न जगह से आये रिश्तेदारों ने धर्म की बहती इस गंगा में डुबकी लगाकर स्वयं को कृतार्थ किया ।

इन्दौर सामाजिक संसद के अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारजी कासलीवाल, मंत्री श्री राजकुमार पाटोदी, समाजसेवी श्री हसमुखजी गांधी, गोलालारीय समाज के अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, स्थायी ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी, खुशालचंदजी, हरिशचंदजी, राजेन्द्रकुमार साइकलवाले, राजेन्द्र जैन 'बागो' स्थानीय अध्यक्ष श्री प्रीतिपाल टोंग्या, सुभाष सेठिया, अरविन्द एडवोकेट, अशोक जैन, मुकेश जैन विजय नगर, सुनील जैन न्यू देवास रोड़, राजेन्द्रकुमार जैन सांइनाथ कालोनी आदि ने समय समय पर अपना सानिध्य देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी एवं श्री आनंदकुमारजी, शांतिकुमारजी, भरतेशजी, बाहुबलीजी एवं अनंतजी के प्रति अपने स्नेह एवं वात्सल्य की डोर को दृढ़ता प्रदान की ।

संपूर्ण विधान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि लगभग 100 श्रावक श्राविकाओं ने 64 ऋद्धि व्रत का संकल्प लेकर स्वयं के जीवन को नियम संयम से नियंत्रित किया एवं आत्म शांति एवं विश्व शांति के लिए सवा लाख मंत्रों का जाप अनुष्ठान भी हुआ, इंजीनियर श्री आनंदकुमारजी इन्दौर समाज के न्यास के संस्थापक सचिव पद पर आसीन रहकर वर्तमान में आप न्यास के स्थायी ट्रस्टी है । आपके अनुज शांतिकुमारजी (अध्यक्ष गंजबासौदा), बाहुबलीजी (सचिव श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास इन्दौर) समाज के प्रति समर्पित रहते है । आप मूलरुप से गंजबासौदा के रहने वाले है । आपके पिता श्री सुंदरलालजी जिन्होंने बाद में आचार्य धर्मसागरजी से मुनि दीक्षा लेकर मुनि श्री 108 समकित सागरजी के नाम से विख्यात हुए । आपके पिताजी से ही आपको एवं आपके परिवार को धार्मिक संस्कार प्राप्त हुए ।

आपने मंदिरजी एवं समाज के अनेकों संस्थाओं को मुक्त हस्त से दान देकर अपनी चंचल लक्ष्मी का सदुपयोग किया । गोलालारीय समाज की ओर से धर्मप्रभावना बढ़ाने एवं विधान के सफल आयोजन पर समाज द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया । गोलालारीय दर्शन परिवार एवं गोलालारीय समाज न्यास की ओर से आपको एवं आपके परिवार को हार्दिक बधाईयाँ ।

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नवीन मंदिर में भव्य वेदिका शिलान्यास समारोह संपन्न

मुकेश जैन, पृथ्वीपुर । बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले में पृथ्वीपुर नगर में निर्मित हो रहे श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राठौर कालोनी, पृथ्वीपुर के नवीन जिनालय की बेदी का शिलान्यास कार्यक्रम दिनांक 28.11.2015 को भक्तिभाव से संपन्न हुआ । शिलान्यास महोत्सव आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आचार्यश्री के धर्म प्रभावक शिष्य अनुमति त्याग प्रतिमाधारी बा.ब्र. श्री अशोक भैयाजी एवं डॉ. श्रेयांशकुमार जैन अध्यक्ष अ.भा. दि. जैन शास्त्री परिषद के मंगल सानिध्य में एवं श्री जिनेन्द्रकुमार सेतुलालजी दुमदुमा निवासी हाल अहमदाबाद की अध्यक्षता में धर्मप्रभावना पूर्ण संपन्न हुआ ।

इस अवसर पर इस भव्य वेदिका के निर्माण पुण्यार्जकों की घोषणा हुई और यह सौभाग्य 1) डॉ. श्रेयांशकुमार जैन अध्यक्ष शास्त्री परिषद, श्री प्रद्युम्नकुमार, श्री भानुकुमार जैन दुमदुमा परिवार 2) श्री कमलेश जैन राजू पुत्र स्व. श्री ज्ञानचंद्र जैन राजापुर परिवार एवं 3) श्री ठाकुरदास विमलकुमार जैन लड़वारी परिवार को प्राप्त हुआ । वेदिका शिलान्यास में सर्वतोभद्र शिला एवं शिलान्यास का पुण्यार्जन भी 3 सौभाग्यशाली परिवारों को प्राप्त हुआ 1) श्री अशोककुमार नवीनकुमार जैन दुमदुमा 2) श्रीमती सुलेखा पति श्री सुरेश जैन दिगौड़ा 3) श्री जीवनधर, अजयकुमार, संजयकुमार जैन मढ़िया को प्राप्त हुआ ।

इस अवसर पर पधारे हुए समस्त क्षेत्रीय समाज का अभिवादन मंदिर कमेटी के सदस्यों श्री महेन्द्र जैन, श्री नरेन्द्र जैन, श्री अखिलेश जैन, श्री अरविन्द लड़वारी, जितेन्द्र खिस्टौन, राकेश दुमदुमा, रवीन्द्र दुमदुमा, इंजी. राजेन्द्र जैन, कुलदीप खिस्टौन, प्रसन्न जैन, सत्येन्द्र जैन, रिंकू जैन, प्रवीण जैन, दिपेश जैन, सत्येंन्द्र जैन, गौरव जैन, रवीन्द्र जैन बीमा एजेंट, सचिन जैन, पंकज जैन, मुकेश जैन, भानु जैन, अमित राजापुर, शशिभूषण जैन। नवीन मंदिर निर्माण हेतु उदार मन से दान राशि हमारे बैंक खाते में जमा कर सकते है । भारतीय स्टेट बैंक, शाखा पृथ्वीपुर, खाता क्रं. 35035209516 IFSC SBIN0002886 'श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर' के नाम से जमा कर सकते है । संपर्क सूत्र देवेन्द्र जैन 9893640593, मुकेश जैन 9893679614, अखिलेश जैन 9893679649

बधाईयाँ

* 15 साल के **सोमिल जैन** पुत्र अर्चना–मनोज जैन विदिशा को भोपाल में राज्यपाल द्वारा भारत स्काउटएवं गाइड केडिट के लिए पुरस्कृत किया गया । स्काउट अकादमी की ओर से अब आपका नाम राष्ट्रपति सम्मान के लिए चयनित हुआ है ।

* श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन की पौत्री एवं डॉ. समीर निर्मल की पुत्री **कु. मर्मिका** जैन का इस वर्ष ए.आई.पी.एम.टी की प्रवेश परीक्षा में शासकीय रीवा मेडिकल कॉलेज में चयन हुआ ।

* बच्चों में गणित विषय की रुचि बढ़ाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूसीमास प्रतियोगिता आयोजित की जाती है । यह प्रतियोगिता प्रथम बार नेशनल व इंटरनेशनल एक्ज़ाम दिल्ली यूनिवर्सिटी केम्पस में आयोजित की गयी जिसमें इन्दौर के **मा. अतिशय** संजयकुमार जैन ने इंटरनेशनल एक्ज़ाम में द्वितीय स्थान एवं नेशनल में पांचवा स्थान प्राप्त किया ।

क्रियांश जैन ने 14 वर्ष की उम्र में 61वीं राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में रजत व कांस्य पदक प्राप्त किया । आपने वर्ष 2013 से इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अनेको पद प्राप्त किये है ।

इन्दौर से प्रकाशित वीर निकंलक पत्रिका के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में **मास्टर प्रणय** संजय जैन का सम्मान किया गया । समारोह में बड़ी संख्या में इन्दौर व अन्य नगरों के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी । मा. प्रणय संजय जैन ने लगातार 11 घंटे तक ड्रम बजाकर कीर्तिमान स्थापित किया था ।

संलेखना व्रत के रोक पर विरोधस्वरुप 24 अगस्त को संपूर्ण भारत वर्ष में धर्म बचाओ आंदोलन हुआ, जिसमें ललितपुर समाज के 17000 सदस्यों ने अभूतपूर्व रूप से सामूहिक मुंडन कराकर इस आंदोलन में हिस्सा लिया था । सामूहिक मुंडन कराने के कारण ललितपुर समाज का नाम वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुआ । जिसके स्वरुप ललितपुर समाज को प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई ।

सत्मार्ग पर बढ़ते कदम...

राजेश जैन । 28 मूल गुणों को धारण करने के लिए आतुर झांसी नगर के गोलालारीय परिवार एवं समाज को गौरवांवित करने वाले स्व. राजेन्द्र जैन के सुपुत्र श्री विकास जैन की जैनेश्वरी दीक्षा के पूर्व नगर में भव्य बिनौली शोभायात्रा बग्घी बैंडबाजों के बीच जयकारों के साथ मुख्य मार्ग से निकाली गयी । मुख्य मार्ग में रहने वाले जैन परिवारों ने बग्घी पर सवार दीक्षार्थियों को तिलक कर गोद भरी व मंगल आरती उतारी । उनके सत्मार्ग पर बढ़ने की मुक्त कंठ से सराहना की व बुजुर्गजनों ने अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया । दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में गोद भराई समारोह आयोजित किया गया । समारोह के अध्यक्ष उत्तरांचल तीर्थक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन, अलीगढ़ ने कहा कि साधु जीवन स्वयं एक तीर्थ के समान है । ये जहां भी विचरण करते है वहां का वातावरण खुशनूमा एवं धर्ममयी बन जाता है । ब्र. विकास भैया ने दीक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि देव और नर्क के प्राणी संयम धारण नहीं कर सकते है, सिर्फ मनुष्य जीवन ही संयम साधना के अनुकूल होता है । अत: भगवान महावीर के अहिंसा धर्म के परिपालन व आत्म कल्याण के लिए वैराग्यमय जीवन अमूल्य निधी है । इस हेतु सभी को पुरुषार्थ करना चाहिए । इस अवसर पर पंचायत के महामंत्री श्री प्रवीण जैन 'दैनिक विश्व परिवार' ने कहा कि इस कलयुग में किसी व्यक्ति के जन्म जन्मांतरों के पुण्य जब उदय में आते है तब उन्हें मोह माया से परे आत्मकल्याण के लिए वैराग्य का मार्ग प्राप्त होता है । विदित हो कि ब्र. विकास भैया ने आचार्य विनिश्चय सागरजी महाराज के सानिध्य में ध्यान, साधना व स्वाध्याय में निपूर्णता हासिल की है । इस अवसर पर अनेकों परिवारों की ओर से प्रभावना वितरित की गयी । कार्यक्रम का संचालन प्रवीण जैन व लवी जैन ने संयुक्त रूप से किया एवं आभार पंचायत मंत्री राजेश जैन 'बीड़ीवालों' ने व्यक्त किया ।